

**मंथन** पुं. (तत्.) 1. मथना, दही से मक्खन निकालने की क्रिया, जिसमें लकड़ी की बनी मथनी से दही को बार-बार बिलोया जाता है 2. दो लकड़ियों को रगड़कर आग पैदा करना जिसे 'अरणि मंथन' द्वारा आग पैदा करना कहते हैं 3. किसी विषय पर बार-बार गंभीर मनन-चिंतन करना 4. किसी पुस्तक को गंभीरता से पढ़कर उस पर चिंतन करना।

**मंथर** पुं. (तत्.) 1. धीमा, सुस्त, मंद 2. मंथरबुद्धि, मूर्ख, अधम, नीच 3. मक्खन 4. मंदराचल 5. अवरोध, बाधा 6. मथने का उपकरण।

**मंथर स्फीति स्त्री.** (तत्.) धीरे-धीरे सामान्य मूल्यस्तर में बराबर बढ़ोतरी, जिससे धन की क्रयशक्ति घट जाती है।

**मंथरा स्त्री.** (तत्.) अयोध्या नरेश दशरथ की रानी कैकेयी की दासी, जिसके उकसाने पर कैकेयी ने दशरथ से राम को वनवास और भरत को राज्य दिवलाया।

**मंद** वि. (तत्.) 1. धीमा, आलसी, सुस्त, शिथिल 2. मूर्ख, दुष्ट 3. खराब 4. मंदबुद्धि 5. नीच, अधम।

**मंदड़िया** पुं. (देश.) वह सट्टेबाज जो वस्तुओं, शेयरों में गिरावट लाकर लाभ कमाने के प्रयास में रहता है।

**मंदठाल** वि. (देश.) थोड़ा या कम ढलावदार।

**मंदभाग्य** वि. (तत्.) भाग्यहीन, अभाग्य।

**मंदर** वि. (तत्.) 1. मंद, धीमा, सुस्त 2. मंदराचल नाम का पर्वत 3. मंदार वृक्ष 4. पहाड़ 5. महल।

**मंदरगिरि** पुं. (तत्.) मंदराचल पर्वत।

**मंदा** वि. (तत्.) 1. मंद, धीरे-धीरे, हल्का, जिसमें उग्रता या तीव्रता न हो, सुस्त, धीमा, शिथिल, आलसी, ढीला 2. अल्प, थोड़ा 3. जिसकी माँग कम हो 4. सस्ता बिकने वाला 5. बाजार या व्यापार में जिसका क्रय-विक्रय बहुत कम हो रहा हो **स्त्री.** सूर्य की तरह संक्रांति जो उत्तर

फाल्गुनी, उत्तराषाढ़, उत्तरभाद्रपद या रोहिणी नक्षत्र में हो।

**मंदाकिनी स्त्री.** (तत्.) 1. आकाश गंगा, गंगा नदी, स्वर्ग से आने वाली गंगा की धारा 2. मंद गति वाली धारा 3. चित्रकूट की एक नदी, पयस्विनी 4. खगोलिकी में एक बड़ा तारा-निकाय जिसमें अनेक आकाश गंगाएँ हैं 5. काव्य. एक छंद-विशेष, चंचलाक्षिका।

**मंदाक्रांत** वि. (तत्.) धीरे-धीरे आगे बढ़ने वाला।

**मंदाक्रांता स्त्री.** (तत्.) एक छंद-विशेष।

**मंदाग्नि स्त्री.** (तत्.) पाचन-शक्ति का दुर्बल हो जाना, हाज़मा बिगड़ जाना, पेट का एक रोग जिसमें पाचन में गड़बड़ हो जाती है, बदहजमी, अपच।

**मंदानिल** पुं. (तत्.) धीमी बहने वाली सुखद वायु, हवा।

**मंदार** पुं. (तत्.) 1. स्वर्ग 2. स्वर्ग के नंदन-कानन के पाँच वृक्षों में से एक 3. वसंत में खिलने वाले लाल रंग के फूलों वाला एक वृक्ष जिसके पत्ते तीन-तीन के समूह में होते हैं 4. मंदार पुष्प, आक/मंदार का वृक्ष, धतूरा 5. हाथी, 6. मंदराचल या मंदर नामक पर्वत।

**मंदारमाला स्त्री.** (तत्.) मंदार के फूलों की माला।

**मंदारषष्ठी स्त्री.** (तत्.) माघ शुक्ला षष्ठी।

**मंदासप्तमी स्त्री.** (तत्.) माघ शुक्ला सप्तमी।

**मंदिर** पुं. (तत्.) 1. घर, आलय, गृह, वासस्थान, नगर, शिविर 2. देवालय, देव मंदिर 3. समुद्र।

**मंदी** वि. (तत्.) दे. मंदा पुं. 1. कम मूल्य की, सस्ती 2. भाव का उतरना, मंद होने की अवस्था/भाव, मंदता अर्थ. बाजार की वह अवस्था जिसमें कीमतों में लगातार गिरावट दिखे, व्यवसाय की वह हालत जिसमें कीमतें नीची, बिक्री कम, आय कम और बेरोजगारी बढ़े।

**मंदील** पुं. (देश.) एक प्रकार का कामदार, रेशमी साफा।